सार-समाचार

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा हुई

जोधपुर, (कासं)। राज्य में कृषि विभाग के तहत कृषि पर्यवेक्षक के 1100 पदों के लिए शनिवार को भर्ती परीक्षा का आयोजन हुआ। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित इस परीक्षा में 944 नॉन-टीएसपी और 156 टीएसपी क्षेत्र के पद शामिल हैं। इन पदों पर परीक्षा को लेकर त्रिस्तरीय जांच के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष में बैठने की अनुमति दी गई। इस दौरान परीक्षा केंद्र के एंट्री गेट पर ही ड्रेस कोड की पालना कराई गई। परीक्षा सुबह 11 बजे से शुरू हुई, इसके लिए अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे से केंद्रों पर प्रवेश दिया गया। इससे पहले सभी अभ्यर्थियों की त्रिस्तरीय जांच की गई, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या नकल की संभावना को पूरी तरह खत्म किया जा सके। परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया। केंद्रों के मुख्य द्वार पर पुलिस प्रशासन की ओर से फ्रिस्किंग की गई और मेटल डिटेक्टर के जरिए अभ्यर्थियों की जांच की गई। इसके बाद बायोमेट्रिक अटेंडेंस और फेस रिकॉग्निशन तकनीक के जरिए अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित की गई। डमी कैंडिडेट की आशंका को खत्म करने के लिए अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक और फेस स्कैनिंग अनिवार्य की गई। इसके अलावा परीक्षा कक्ष में भी निगरानी रखी गई कि कोई अभ्यर्थी प्रतिबंधित सामग्री साथ न लाए। इस बार कर्मचारी चयन बोर्ड ने गर्मी को देखते हुए ड्रेस कोड में बदलाव किया। साथ ही अभ्यर्थियों को कलावा, जनेऊ, रुद्राक्ष जैसे धार्मिक प्रतीकों को भी पहनने की छूट दी गई। हालांकि, आभूषण पहनकर आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर ही उन्हें उतारने के निर्देश दिए गए। जिन अभ्यर्थियों के कपड़ों में मेटल बटन थे, उनकी विशेष जांच के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।

महोत्सव में गूंजे गुरूदेव के जयकारे

जालोर, (कासं)। जालोर शहर स्थित स्वामी आत्मानंद सरस्वती गुरु मंदिर में मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव की 15वीं वर्षगांठ एवं ब्रह्मलीन स्वामी मोहनानंद महाराज की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की 12वीं वर्षगांठ श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। पूरे परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। ट्रस्ट के महामंत्री नैनसिंह सांकरणा ने बताया कि आगामी वर्षगांठ महोत्सव की तैयारियों को लेकर चढावे बोले गए तथा विभिन्न धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा भी तय की गई। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन को भव्य रूप देने के लिए समाज के लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल गुरु मंदिर एवं समाधि छत्री पर ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने मिलकर पुष्पांजलि अर्पित की और महाआरती कर गुरुजनों का स्मरण किया। महोत्सव में गादीपति स्वामी रामानन्द महाराज का सान्निध्य रहा। ट्रस्ट अध्यक्ष दण्डी स्वामी देवानन्द सरस्वती ने धन की उपयोगिता और परोपकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धन का सही उपयोग समाज सेवा, धर्म के कार्यों और जरूरतमंदों की सहायता में ही है। स्वामी ब्रह्मानंद महाराज ने अपने संबोधन में बच्चों के संस्कारों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि परिवार और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढी को अच्छे संस्कार दें, ताकि वे भविष्य में आदर्श नागरिक बन सकें। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। महोत्सव में जालोर समेत सिरोही, पाली व प्रदेश के अन्य स्थानों से भी श्रद्धालुओं ने शिरकत कर गुरु मंदिर में शीश नवाकर खुशहाली की कामना की।

पत्रकार को वर्षों बाद मिला आवासीय पट्टा

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जालोर के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव ने लंबित एक मामले में उपभोक्ता को करीब 13 वर्षों बाद नगरपरिषद ने आवासीय भूखंड का पट्टा जारी किया। आयोग के अध्यक्ष घनश्याम यादव ने बताया कि परिवादी पत्रकार अल्लाह बक्श खान को नगरपरिषद ने पत्रकार कालोनी मे आवासीय भूखंड करीब वर्ष 2013 आवंटित हुआ था, लेकिन परिवादी को पट्टा जारी नहीं करने पर उपभोक्ता आयोग के समक्ष परिवाद पेश किया। जिस पर उपभोक्ता आयोग ने परिवादी के पक्ष मे निर्णय सुनाते हुए नगरपरिषद जालोर को निर्देशित किया था कि परिवादी को पट्टा जारी किया। वर्ष 2017 में जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा आदेश पारित किया गया था, लेकिन आदेश की पालना नहीं होने पर परिवादी को वर्ष 2022 में अवमानना याचिका दायर करनी पडी। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार 17 अप्रैल 2026 को आयोग ने आदेश की पूर्ण पालना सुनिश्चित करते हुए परिवादी अल्लाह बक्श खान को आवासीय पट्टा जारी किया गया। आयोग की कार्यवाही के दौरान दोनों पक्षों के अधिवक्ता उपस्थित रहे और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। आयोग ने पाया कि मूल आदेश की पालना कर दी गई है,जिसके बाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया गया। इस फैसले को लेकर आयोग अध्यक्ष घनश्याम यादव ने कहा कि जिला उपभोक्ता न्यायालय उपभोक्ताओं को त्वरित एवं प्रभावी न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस प्रकार के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।यह मामला दर्शाता है कि भले ही न्याय में समय लगे, लेकिन अंततः उपभोक्ताओं को उनका अधिकार जरूर मिलता है।

होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर लगा

जोधपुर, (कासं)। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलगुरू प्रोफेसर (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल की प्रेरणा से यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक चिकित्सकों की टीम द्वारा शनिवार को कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. गौरव नागर एवं शिविर प्रभारी डॉ. राजेश कुमार कुमावत ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.प्रियंका कपूर, डॉ. हर्षित चौधरी एवं बी.एच.एम.एस. के विद्यार्थी ईशरत, सपना, प्रतिष्ठा, शिवानी के द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। इस शिविर में कुल 29 विद्यार्थियो एवं शिक्षकों और कर्मचारीयो का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियों जैसे पेट की समस्या, लू लगना, खांसी, जुखाम, सिर दर्द, आंखों का रोग, चर्म रोग, उच्च रक्तचाप, थायरोइड, माइग्रेन, कमर दर्द, गठिया एवं मधुमेह आदि से ग्रसित रोगियों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. जी.आर. वर्मा और डॉ. तारा यादव (शिविर प्रभारी) का सहयोग रहा।

अक्षय तृतीया आज, दो दिन मनेगी

जोधपुर, (कासं)। वैशाख शुक्ल तृतीया के पावन अवसर पर इस वर्ष अक्षय तृतीया दो दिन मनाई जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं और आयोजकों में विशेष उत्साह है। 19 अप्रैल को सुबह 10.50 बजे से तृतीया प्रारंभ होकर 20 अप्रैल को सुबह 7.28 बजे तक रहेगी। लगभग 20 घंटे 38 मिनट के इस अवधि में सर्वार्थ सिद्धि, रवि योग, शोभन योग, गजकेसरी योग और मालव्य राजयोग सहित कुल 10 शुभ संयोग बन रहे हैं। इन दुर्लभ योगों के चलते शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर आयोजन किए जा रहे हैं। अनुमान है कि इस दौरान पांच सौ से अधिक विवाह समारोह संपन्न होंगे, जिससे 20 अप्रैल को शादियों की खास धूम रहेगी। तृतीया तिथि दो दिनों में पडऩे के कारण आमजन में तिथियों को लेकर कुछ असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, परंपराओं के अनुसार 19 अप्रैल को पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान, मंदिरों में विशेष दर्शन किए जाएंगे। 20 अप्रैल को विवाह, यज्ञोपवीत संस्कार और सामूहिक मांगलिक कार्यक्रम होंगे।

दिनेश कुमार चौधरी ने जांच की मांग की

रेवदर, (निसं)। रेवदर के धनपुरा निवासी दिनेश कुमार चौधरी ने जातीय पंचों से आहत होकर सिरोही जिला पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट प्रस्तुत कर जांच की मांग कर न्याय की गुहार लगाई। दिनेश कुमार ने बताया कि आज से करीब बीस साल पहले मेरे बहन की सगाई मालपुरा निवासी भूराराम चौधरी के वहां हुई थी। बहन सरकारी जॉब की तैयारी कर रही थी तो मालपुरा निवासी भूराराम ने जातीय पंचों को साथ लेकर जबरदस्ती शादी का दबाव बनाया। उसके कारण शादी नहीं करने पर जातीय खाप पंचायत ने पंचायती आयोजित कर पीड़ित परिवार को समाज से बहिष्कृत कर दिया और हुक्का पानी बंद कर परिवार से ग्यारह लाख रुपये हडपे। उसके बाद भी पंच सामाजिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। वही पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पंच षड्यंत्र आयोजित कर परिवार पर हमला करवा रहे हैं।

भक्तामर महापूजन आज

जोधपुर, (कासं)। संबोधि धाम में रविवार को भक्तामर महापूजन प्रातः 9:30 बजे महोपाध्याय ललितप्रभ सागर, राष्ट्रसंत चन्द्रप्रभ सागर एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज के आर्शीवाद में होगा। धर्मसभा एवं प्रवचन का भी आयोजन रखा है।

रिफाइनरी का शुभारंभ 21 को, पचपदरा में सभा की तैयारियां जोरों पर

बालोतरा, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21 अप्रैल को पचपदरा में होने वाली सभा की तैयारियां जोरों पर है।

भारतीय जनता पार्टी जिला मीडिया प्रभारी राजेश पुरी ने बताया कि आगामी 21 अप्रैल की पचपदरा में होने वाली सभा को लेकर साजसज्जा में लगे हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी के नेतृत्व में मोर्चा एवं जनप्रतिनिधि पचपदरा व रिफाइनरी क्षेत्र को सजाने के लिए जुटे हैं। भारतीय जनता पार्टी के झंडा तैयार करने में युवा टीम गी है। प्रदेश मंत्री आईदान भाटी द्वारा सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी की सजावट में कोई भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। पार्टी के बैनर झंडा सड़क के दोनों तरफ लगने चाहिए। प्रदेश मंत्री ने कहा कि बालोतरा पचपदरा रिफाइनरी क्षेत्र में कम से कम 500 झंडा लगने चाहिए। इस कार्यक्रम में पचपदरा विधायक अरुण चौधरी भाजपा जिला उपाध्यक्ष खेताराम प्रजापत अमराराम सुंदेशा, हितेश पटेल, दिनेश सैनी, शंकर भाटी, जोगेंद्र पाटौदी, दुर्ग सिंह राजपुरोहित, हनुमान, महावीर माली, कपिल दवे यश माली एवं पदाधिकारी व युवा शक्ति लगी हुई है।

एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी के शुभारंभ, लोकार्पण आगामी 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पचपदरा की धरा पर किया जाएगा। जनसभा में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के पदाधिकारी कार्यकर्ता जिला संगठन प्रसार प्रचारके लिए लगा हुआ है।

जिला मीडिया प्रभारी राजेश पुरी ने बताया कि आज ग्राम पंचायत उमरलाई में सभा को प्रदेश प्रवक्ता महेश मीणा द्वारा सभा को संबोधित किया गया। जिला सह प्रभारी मंसाराम पंवार ने कहा कि 21 अप्रैल की सभा को भव्य बनाने के लिए पूरे गांव को निमंत्रण देने भारतीय जनता पार्टी पहुंची, आपके गांव इसको निमंत्रण समझकर सभा में आने का न्योता दिया। गांव गांव के महिला बुजुर्ग युवा शक्ति को इस सभा में सम्मिलित होने एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने का निमंत्रण दिया।

कार्यक्रम में पूर्व प्रधान हरि सिंह उमरलाई जिला महामंत्री मालाराम बावरी, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य गणपत बांठिया, आईटी संयोजक उमेश सोनी, गांव के बुजुर्ग एवं महिला युवा शक्ति मौजूद थे।

राजस्थान की धरती पर औद्योगिक विकास का एक नया अध्याय 21 अप्रैल को लिखे जाने जा रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा 79 हजार करोड से अधिक लागत से निर्मित ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित की जाएगी।

इस ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उपस्थित रहेंगे।

यह रिफाइनरी केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प विकसित भारत - आत्मनिर्भर भारत प्रतीक बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम जिस परियोजना को हम शुरू करते है तो उसका लोकार्पण भी हम ही करते है। आज यह बात सार्थक भी हो रही है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कर कमलों से राजस्थान रिफाइनरी का शुभारंभ करने जा रहे है।

राजस्थान की मरुस्थलीय भूमि पर निर्मित यह रिफाइनरी अपनी अभूतपूर्व संरचना और तकनीकी विशेषताओं के कारण रेगिस्तान का रत्न कही जा रही है। यहां 800 किलोमीटर से अधिक लंबी क्रॉस-कंट्री पाइप लाइनों का जाल बिछाया गया है, जो कच्चे तेल और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। यह विशाल नेटवर्क न केवल उत्पादन को निरंतर बनाए रखेगा, बल्कि भविष्य की औद्योगिक जरूरतों को भी ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इस परियोजना की सबसे बडी विशेषता यह है कि इसमें उपयोग की गई लगभग 85 प्रतिशत निर्माण सामग्री भारत में ही निर्मित है।

यह तथ्य इसे आत्मनिर्भर भारत का सशक्त उदाहरण बनाता है। यह रिफाइनरी देश को एलपीजी, डील और पेट्रोल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा और भी मजबूत होगी।

इस रिफाइनरी का निर्माण कई वैश्विक प्रतीकों से तुलना करने पर इसकी भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है बुर्ज खलीफा से 5 गुना अधिक (16 लाख घन मीटर) कंक्रीट का उपयोग हुआ है।

गोल गुंबज से 3 गुना बडा 125 मीटर का कोक डोम बनाया गया है।

एफिल टावर से 40 गुना अधिक (3 लाख मीट्रिक टन) स्टील का इस्तेमाल किया गया है।

ग्रेट पिरामिड गिजा से 6 गुना अधिक (1.5 करोड घन मीटर) मिट्टी हटाई गई।

पृथ्वी के व्यास से भी 2 गुना अधिक, यानी 28 हजार किलोमीटर लंबी केबल बिछाई गई। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि यह परियोजना केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक असाधारण इंजीनियरिंग उपलब्धि है।

यह रिफाइनरी भारत का सबसे बडा पेट्रोकेमिकल यूनिट बनने जा रही है। इसके साथ ही क्षेत्र में प्लास्टिक पार्क और सहायक उद्योगों के विकास को बढावा मिलेगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और स्थानीय उद्योगों के लिए यह परियोजना हजारों नए अवसरों का द्वार खोलेगी। रोजगार सृजन, व्यापार विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से पूरे पश्चिमी राजस्थान का विकास तेरी से आगे बढेगा।

ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका

इस रिफाइनरी के माध्यम से न केवल बालोतरा और आसपास के क्षेत्रों का आर्थिक कायाकल्प होगा, बल्कि यह परियोजना भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सड़क, बिजली, पानी और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास इस क्षेत्र को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

राजस्थान रिफाइनरी एक परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की सोच, तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता का जीवंत उदाहरण है। यह सबसे अलग, सबसे खास होने के अपने दावे को पूरी तरह सार्थक करती है। 21 अप्रैल का दिन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए गौरव और उपलब्धि का प्रतीक बनने जा रहा है, जब यह भव्य रिफाइनरी राष्ट को समर्पित होगी।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए हैं।

जिला मजिस्ट्रेट सुशील कुमार द्वारा जारी आदेश कर पचपदरा में प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान किसी भी प्रकार के ड्रोन, यूएवी, बैलून या अन्य उडने वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया है।

आदेश में बताया गया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ड्रोन आदि के माध्यम से कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। ऐसी गतिविधियों से जन-जीवन और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड सकता है, इसलिए एहतियात के तौर पर पूरे जिले में रेड ?ोन/नो फ्लाई ?ो घोषित किया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति कोई भी व्यक्ति ड्रोन या अन्य उडान उपकरण का उपयोग नहीं कर सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

यह प्रतिबंध 20 अप्रैल 2026 की रात 8 बजे से 21 अप्रैल 2026 की रात 10 बजे तक जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी रहेगा। प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है।

कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा-2026 का आयोजन पाली में शनिवार, 18 अप्रैल को शांतिपूर्ण किया गया। परीक्षा पाली शहर के 03 सरकारी परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा सुबह 11: से 1:बजे तक आयोजित हुई, लेकिन परीक्षा केंद्र में 9 से 10:00 बजे के बीच प्रवेश दिया गया, एक अभ्यर्थी 3 मिनट लेट पहुंचा बहुत गुजारिश के बाद भी उसे प्रवेश नहीं दिया, प्रवेश से पहले हाथों से धागा कानों की बालियां तक उतरवाई, एक महिला की कानों की बाली उतारकर उसके परिजनों को सोपा, वही एक महिला अपना फोटो लाना भूल गए, घर से फोन कर फोटो मंगवाए जब प्रवेश दिया, बांगड़ स्कूल लोढा स्कूल, आदि सेंटर पर परीक्षा हुई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए 1 सतर्कता दल एवं 2 उप-समन्वयक दलों का गठन किया गया था। इन दलों द्वारा परीक्षा व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी गई, जिससे पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सकी। परीक्षा में कुल 1,391 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,133 (81.45 प्रतिशत) अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 258 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सम्पूर्ण परीक्षा प्रक्रिया पाली जिले में शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

मोबाइल लूटा

जोधपुर, (कासं)। कमला नेहरू नगर स्थित द्वितीय विस्तार में युवती से मोबाइल लूट लिया गया। बाइक पर आए युवक ने युवती के हाथ पर झपट्टा मारा और मोबाइल लेकर फरार हो गया। इस बारे में प्रतानगर थाने में रिपोर्ट दी है।

खाप पंचायत की दबंगई से हाईकोर्ट नाराज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बालोतरा जिले के एक परिवार को पुश्तैनी जमीन के विवाद में खाप पंचायत द्वारा प्रताड़ित किए जाने के मामले में अहम निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस फरजंद अली की एकल पीठ ने पीड़ित मोतीराम की याचिका का समाधान करते हुए निर्देश दिया कि इस मामले की जांच वही पुलिस अधिकारी करेंगे, जिन्हें पूर्व में दीपा राम मेघवाल बनाम राजस्थान राज्य के मामले में नियुक्त किया गया था।

कोर्ट ने यह आदेश पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए सामाजिक बहिष्कार और हुक्का-पानी बंद करने जैसी दमनकारी धमकियों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए दिया है। मामला बालोतरा जिले के समदड़ी तहसील स्थित मोखंडी गांव का है। याचिकाकर्ता मोतीराम (46) पुत्र गोमाराम ने कोर्ट को बताया कि उनकी पैतृक संपत्ति को लेकर सिविल कोर्ट में मुकदमा पेंड़िंग है। याचिका के अनुसार, आरोपियों ने खुद को समुदाय का स्वयंभू पंच बताते हुए मोतीराम और उनके परिवार पर गैरकानूनी दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोपियों की मांग थी कि मोतीराम सिविल कोर्ट से अपना केस वापस लें और पुश्तैनी जमीन को खाली कर दें। जब पीड़ित परिवार ने इस मांग को ठुकरा दिया, तो आरोपियों ने कथित तौर पर अवैध सभाएं बुलाईं और सार्वजनिक रूप से परिवार का हुक्का-पानी बंद करने तथा उन्हें समाज से बाहर करने की धमकी दी।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि आरोपियों ने परिवार को समाज से निष्कासित घोषित कर दिया और उनके खिलाफ अपमानजनक बातें फैलाईं, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंचा और उन्हें मानसिक उत्पीडऩ का सामना करना पड़ा। याचिका में इन गतिविधियों को आपराधिक धमकी, जबरदस्ती और उत्पीडऩ का मामला बताया गया है। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस को भी सूचित किया था, लेकिन समय पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता हितेंद्र सिंह और राज्य सरकार की ओर से उप राजकीय अधिवक्ता एन.एस. चांदावत पेश हुए। जस्टिस फरजंद अली ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि वर्तमान मामले में भी जांच की जिम्मेदारी उसी जांच अधिकारी को सौंपी जाए, जिसे दीपा राम मेघवाल केस में नियुक्त किया गया था। यह अधिकारी कानून के अनुसार मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करेगा। साथ ही अदालत ने याचिका और सभी लंबित आवेदनों को निस्तारित कर दिया।

अस्थायी परमिट के आधार पर पूरी तरह खारिज नहीं हो सकता है बीमा दावा

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि केवल अस्थायी परमिट के आधार पर बीमा दावा पूरी तरह अस्वीकृत नहीं किया जा सकता। आयोग ने बीमा कंपनी की अपील खारिज करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग जैसलमेर के आदेश को बरकरार रखा और 75 प्रतिशत नॉन-स्टैंडर्ड बीमा राशि देने के निर्देश को उचित ठहराया।

मामले के अनुसार यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने जिला आयोग जैसलमेर के उस आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी, जिसमें दुर्घटनाग्रस्त बस के लिए बीमा राशि का 75 प्रतिशत भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। बीमा कंपनी ने अपने पक्ष में तर्क दिया कि नवंबर 2020 में मांगलियावास में हुई दुर्घटना की सूचना उन्हें विलंब से दी गई थी तथा वाहन निर्धारित परमिट शर्तों का उल्लंघन करते हुए चलाया जा रहा था।

कंपनी के अनुसार, बस का परमिट जैसलमेर से बाड़मेर वाया डांगरी गांव के लिए था, जबकि दुर्घटना के समय उसे जयपुर से जैसलमेर ले जाया जा रहा था। साथ ही, वाहन में क्षमता से अधिक सवारियां होने और सूचना एक माह बाद दिए जाने का भी हवाला देते हुए दावा अस्वीकार किया गया।

वहीं, परिवादी पक्ष ने बताया कि दुर्घटना के समय वाहन के पास जयपुर से जैसलमेर तक के लिए एक दिन का अस्थायी परमिट वैध रूप से मौजूद था। दुर्घटना के तुरंत बाद एफआईआर दर्ज कराई गई और बीमा कंपनी को भी सूचना दी गई। वाहन को अधिकृत सर्विस सेंटर भेजा गया, जहां मरम्मत का अनुमान 15,78,330 रुपए लगाया गया था।

मामले की सुनवाई करते हुए आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छावाहा, सदस्य (न्यायिक) सुरेंद्र सिंह और सदस्य लियाकत अली ने पाया कि बीमा कंपनी दावा अस्वीकृत करने के ठोस आधार प्रस्तुत करने में असफल रही। आयोग ने कहा कि सूचना देने में हुई कथित देरी का मामले पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता और बीमा कंपनी इस संबंध में कोई ठोस साक्ष्य भी पेश नहीं कर सकी।

आयोग ने अपने फैसले में यह भी कहा कि जब वाहन के पास वैध अस्थायी परमिट मौजूद था, तो केवल परमिट के आधार पर दावा खारिज करना सेवा में कमी (डिफिशिएंसी इन सर्विस) माना जाएगा।

अंततः आयोग ने बीमा कंपनी की अपील को खारिज करते हुए जिला आयोग के आदेश को यथावत रखा और बीमा कंपनी को 75 प्रतिशत नॉन-स्टैंडर्ड बीमा राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए।

स्कूल में सैंध लगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के राजीव गांधी नगर पुलिस थाना क्षेत्र के घंटियाला गांव में सरकारी स्कूल में चोरों ने सैंधमारी कर वहां से आईएफपीडी पैनल का बोर्ड चुराकर ले गए। राजीव गांधी नगर पुलिस ने जानकारी में बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घंटियाला के वरिष्ठ अध्यापक चेतन प्रकाश की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

जोधपुर में रियासती रेलवे विरासत की प्रदर्शनी लगाई

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल कैरेज वर्कशॉप में शनिवार को "विश्व धरोहर दिवस" के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी केवल मॉडल्स का प्रदर्शन भर नहीं रही, बल्कि यह भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत की जीवंत झलक बनकर सामने आई।

मुख्य कारखाना प्रबंधक रवि मीणा ने बताया कि जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रदर्शनी में विशेष रूप से रियासतीकालीन रेलवे से जुड़े मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया। ये मॉडल उस दौर की कहानी कहते हैं, जब मारवाड़ क्षेत्र में रेल केवल परिवहन का साधन नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बनी थी।

इतिहास पर नजर डाले तो जोधपुर रियासत में रेलवे की शुरुआत 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई, जब मारवाड़ राज्य ने अपने व्यापारिक हितों और सामरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रेल नेटवर्क का विकास शुरू किया। जोधपुर-बीकानेर रेलवे उस समय की प्रमुख रियासती रेल प्रणालियों में से एक थी, जिसने पश्चिमी राजस्थान को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऊंटों और बैलगाड़ियों पर निर्भर क्षेत्र में रेल के आगमन ने व्यापार, विशेषकर नमक, ऊन और मसालों के परिवहन को नई गति दी। प्रदर्शनी में प्रदर्शित स्टीम इंजनों, पुरानी बोगियों और स्टेशन संरचनाओं के मॉडल्स ने उस युग की तकनीकी कुशलता और स्थापत्य कला को भी उजागर किया। उस समय के लोकोमोटिव न केवल इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण थे, बल्कि वे उस युग की औद्योगिक क्रांति के प्रतीक भी माने जाते थे। प्रदर्शनी में बॉम्ब शैल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। वर्ष 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कार्यशाला में आवश्यकता अनुसार बॉम्ब शैल और अन्य सैन्य उपकरणों का उत्पादन किया गया था, जो उस समय रेलवे की बहुआयामी भूमिका को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक योगदान को दर्शाने वाला एक विस्तृत शिलालेख भी प्रदर्शनी में रखा गया, जिसने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

इसके अलावा आईसीएफ स्लीपर कोच,कंटेनर वैगन, टैंक, वुडेन स्लीपर कोच, स्टीम लोकोमोटिव मॉडल तथा सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस के मॉडल भी प्रदर्शनी में प्रमुख आकर्षण बने रहे, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने रेलवे के ऐतिहासिक से आधुनिक सफर को करीब से महसूस किया।

मुख्य कारखाना प्रबंधक के अनुसार प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को यह समझाना रहा कि आज की आधुनिक रेलवे जिन उन्नत तकनीकों और सुविधाओं के साथ कार्य कर रही है, उसकी नींव इन्हीं ऐतिहासिक प्रयासों पर आधारित है। यह आयोजन न केवल अतीत को संजोने का प्रयास था, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा देने का भी माध्यम बना।

'कॉफी विद कलैक्टर' चिकित्सकीय प्रयास सराहे

पाली, (नि.सं.)। समाज हित के कार्यो में शामिल होकर आमजन में प्रेरणास्पद एवं सकारात्मक कार्यों से अन्य को प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तियों का हौसला बढ़ाने के लिए जिला कलैक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने अनूठी पहल शुरू की। 'कॉफी विद कलैक्टर' इसके तहत समाज उपयोग कार्य कर अन्य लोंगों को प्रेरणा देने वाली व्यक्तियों एवं संस्थाओं के साथ जिला कलक्टर रूबरू होंगे।

'कॉफी विद कलैक्टर' की पहल की शुरूआत में जिला कलैक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने शनिवार को अपने कक्ष में सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल व अन्य चिकित्सा अधिकारियों व घाणेराव सीएचसी में ऑपरेशन थियेटर शुरू होने व सफलतापूर्वक पहला सिजेरियन प्रसव कराने वाले डॉक्टर व कर्मियों से मिले और संवाद कर उनके प्रयासों को सराहा।

जिला कलैक्टर ने बीसीएमओ देसूरी डॉ अविनश चारण, सीएचसी इंचार्ज डॉ उम्मेद कसाना, गायनोलॉजिस्ट सीएचसी घाणेराव डॉ दिनेश कुमार , डीपीएम एनएचएम भवानी सिंह, ओटी असिसटेन्ट सैफ अली खान, निंर्सग ऑफिसर प्रवीण सिंह टीम से उनके प्रयासों के बारे में जानकारी ली। साथ ही अच्छा कार्य करने के लिये शुभकानायें दी व आगे भी ऐसे कार्य करने के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी मौजूद कार्मिको को मोमेन्टों प्रदान किये। उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार से अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि घाणेराव (पाली)/ देसूरी क्षेत्र के घाणेराव गांव में संचालित सरकारी अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं का विस्तार हुआ है, जिससे लोगों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

कलैक्टर ने इसे जिले के लिये महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाओं का विस्तार चिकित्सा विभाग की प्राथमिकता है। घाणेराव सीएचसी में ऑपरेशन थियेटर शुरू होने से स्थानीय स्तर पर सुरक्षित प्रसव सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऑपरेशन थियेटर के नियमित संचालन से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिलेगा तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने बताया कि पाली जिले के देसूरी ब्लॉक के घाणेराव कस्बे में आशा महेश हिंगड़ ट्रस्ट द्वारा निर्मित मोहिनी देवी जुगराजजी हिंगड़ राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घाणेराव में कनिष्ठ विशेषज्ञ के पद पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति होने सें ऑपरेशन थियेटर शुरू हो गया है।

इसके प्रारंभ होते ही पहला एलएससीएस (सीजेरियन) सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

मुनि विहर्ष सागर ने विहार प्रारंभ किया

जोधपुर, (कासं)। मुनि विहर्ष सागर ने कहा कि बीमारियों का कारण अस्वच्छता एवं नकारात्मक जीवनशैली है। यदि घर में कोई एक व्यक्ति बीमार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। उन्होंने आम जन को संदेश देते हुए कहा कि घर एवं आसपास की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, सकारात्मक सोच एवं धार्मिक भाव बनाए रखें तथा नियमित रूप से पूजा, प्रार्थना एवं ध्यान करें। आज प्रातः मुनि विहर्ष सागर महाराज ने मुनि सुरतनाथ भगवान मंदिर चौपासनी रोड से विहार प्रारंभ किया। विहार के दौरान वे शास्त्री नगर स्थित चेताल्य एवं सरदारपुरा चौधरी भवन स्थित चेताल्य में प्रभु के दर्शन कर श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश प्रदान किया।इस पावन अवसर पर सर्वप्रथम महिलाओं द्वारा मंगल कलश से स्वागत किया गया एवं पुष्प वर्षा कर अगवानी की गई। आचार्य केसानिध्य में श्री जी का अभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा का आयोजन किया गया। श्री जी का स्वर्ण एवं रजत कलशों से प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य दुलीचंद सुखमाल पाण्ड्या परिवार को प्राप्त हुआ।

12 साल पुराने मामले में आरोपी को 2 साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 12 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ डोडापोस्त के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 2 वर्षों का कठोर कारावास और बीस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 17 जून 2014 को बेरू रोड बिश्नोईयों की ढाणियों के पास गोरधनराम कंधे पर एक प्लास्टिक का कट्टा रखे आ रहा था। उसी दौरान राजीव गांधी नगर पुलिस थाना के तत्कालीन थानाधिकारी कपूराराम मय पुलिस जाब्ता के गस्त पर थे। पुलिस को देखकर को देखकर वह दोनों कट्टे लेकर भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा कर पकड़ा गया। दस्तयाब कर कट्टे की तलाशी लेने पर उसमें से 5.250 किलोग्राम डोडापोस्त का चूरा बरामद हुआ इस पार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर गोविन्द जोशी अपना पक्ष रखते कहा कि वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उतरोतर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों से युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से यह अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति का है। उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पडता है। इसलिए आरोपी को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए। जबकि आरोपी ने नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 10 गवाह, 23 दस्तावेजी साक्ष्य व 3 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त गोरधनराम पुत्र जगरूप राम विश्नोई निवासी बिश्नोईयों की ढाणिया, बेरू पुलिस थाना राजीव गांधी नगर, जोधपुर को अवैध मादक पदार्थ डोडपोस्त रखने के आरोप में दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष का कठोर कारावास व बीस हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।